अर्द्धवार्षिक परीक्षा : 2019-2020 [SK]

समय : 3.15 घंटा कक्षा–11 पूर्णांक : 70

विषय–हिन्दी अनिवार्य

नोट :– 1. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
2 प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने अंकित है।
4 प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका मे ही लिखें।

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढकर दिये गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए –

आतंकवाद न केवल हमारे देश बल्कि दुनिया के सभी देशों में किसी न किसी रूप मे चिन्ता का विषय है। भारत में इस समस्या ने समय–समय पर अनेक घाव दिए हैं। इसने हमारी आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों पर दूर तक प्रभाव डाला है। हिंसा द्वारा जनता मे आतंक फैलाकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना तथा अपने स्वार्थ के लिए धन एवं सत्ता पर अधिकार प्राप्त करना ही आतंकवाद प्रमुख लक्ष्य रहा है। भारत ही नहीं विश्व के अधिकांश देश आज आतंकवादी गतिविधियों से त्रस्त हैं। भारत के पडौसी देशो ने भी इस समस्या को उभारने का आवांछनीय कार्य किया तथा इससे भारत के राजनयिक संबंधो मे तनाव आ गया।

आतंकवाद किसी भी देश की शांति एवं प्रगति का सबसे बड़ा शत्रु है। आतंकवादी गतिविधियों से जहाँ देश की आर्थिक उन्नति बाधित होती है, वहीं देश मे भय का वातावरण उत्पन्न होता है। राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे कई कारण आतंकवाद को बढावा देते हैं।

(अ) आतंकवाद का प्रमुख लक्ष्य क्या है ? 1

(ब) आर्थिक, सामाजिक, सास्कृतिक शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए। 1

(स) आतंकवाद के परिणाम क्या होते हैं ? 1

(द) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा ? 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढकर इसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

हे भाइयो ! सोये बहुत, अब तो उठो, जागो, अहो,
देखो जरा अपनी दशा, आलस्य को त्यागो अहो !
कुछ पार है क्या–क्या समय के उलट–फेर न हो चुके,
अब भी सजग होवो न क्या ? सर्वस्व तो हो खो चुके
बैठे हुए हो व्यर्थ क्यों ? आगे बढो, ऊँचे चढो,
है भाग्य की क्या भावना ? अब पाठ पौरूष का पढो।
है सामने का ग्रास भी मुख मे स्वयं जाता नहीं।
जो लोग पीछे थे तुम्हारे बढ गये हैं, बढ रहे,
पीछे पडे तुम देव के सिर दोष अपना मढ रहे।

(अ) पद्यांश का मूल भाव लिखिए। 1

(ब) 'सर्वस्व तो हो खो चुके' ऐसा क्यों कहा ? 1

(स) 'है सामने का ग्रास मुख में स्वयं जाता नहीं। इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है ? 1

(द) 'पीछे पड़े तुम देव के सिर दोष अपना मढ़ रहे।' इसमें किन लोगों के विषय में संकेत है ? 1

3. साधारण वाक्य किसे कहते हैं ? 1

4. विकारी पद किसे कहते हैं ? 1

5. तत्सम और तद्भव शब्द किसे कहते हैं ? 2

6. निम्न वाक्यांश के लिए एक–एक शब्द लिखिए। 2

(अ) धर्म में विश्वास रखने वाला।

(ब) जिसका पति मर चुका हो।

7. आग, कान शब्द का तत्सम रूप लिखिए। 2

8. अल्प विराम और अर्द्धविराम में सोदाहरण अन्तर बताइये। 2

9. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 6

(i) नारी : तब और अब

(ii) युवकों का बढ़ता दायित्व

(iii) स्वच्छता अभियान

(iv) जीवन में अनुशासन का महत्व

10. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 4

इस निर्मम संसार ने जीते–जी न प्रेमचन्द को परखा, न 'प्रसादजी' को और न 'निराला' को ही। जब ये संसार से चले गये तब उनके गुणगान के साथ यह भी अनुभूत होने लगा कि साहित्य क्षेत्र में ये अमोघ मेधा शक्ति लेकर आये थे। 'प्रसादजी' जो अवज्ञा और अपेक्षा हुई वह किसी से छिपी नहीं है। पर हिन्दी को 'प्रसाद जी' कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध आदि के रूप में जो निधि दे गये उसका मूल्यांकन करके आज गौरव का अनुभव किया जा रहा है। जगत् की यही परम्परा रीति जान पड़ती है कि वह युग की विभूति को उसके विलीन हो जाने के बाद ही पहचानता है।

"अथवा"

जान पहचान के लोग ऐसे हों, जिनसे हम कुछ लाभ उठा सकें, जो हमारे जीवन को उत्तम और आनन्दमय बनाने में कुछ सहायता दे सकते हों, यद्यपि उतनी नहीं जितनी सच्चे मित्र दे सकते हैं। मनुष्य का जीवन थोड़ा है, उसमें खोने के लिए समय नहीं। यदि क, ख और ग हमारे लिए कुछ नहीं कर सकते, न कोई बुद्धिमानी या विनोद की बातचीत कर सकते हैं, न कोई अच्छी बात बतला सकते हैं, न सहानुभूति द्वारा हमें ढाढ़स बंधा सकते हैं, न हमें कर्त्तव्य का ध्यान दिला सकते हैं, तो ईश्वर हमें उनसे दूर ही रखें।

11. निम्नलिखित पठित काव्यांशो मे से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4

"सीस जटा, उर बाहु बिसाल, बिलोचन लाल, तिरीछी सी भौंहे।
तून सरासर बान धरे, तुलसी बन-मारग मे सुठि सोहैं।।
सादर बारहि बार सुभाय चितै तुम त्यो हमरो मन मोहैं।
पूछति ग्राम बधू सियसों "कहो सॉवरे से, सखि रावरे को हैं ?।।"

"अथवा"

आदर्श जन संसार मे इतने कहॉ पर हैं हुए ?
सत्कार्य्य-भूषण आर्य्यगण जितने यहॉ पर हैं हुए।
हैं रह गये यद्यपि हमारे शील आज रहे सहे।
पर दूसरों के भी वचन साक्षी हमारे हो रहे।।

12. निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नो में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए– 4

(क) श्रीकृष्ण के बाल रूप का वर्णन अपने शब्दों में दीजिए।

"अथवा"

(ख) तकनीकी प्रबन्धन का वृक्ष कब फैलता है ? "अग्नि की उडान" पाठ के आधार पर बताइए।

13. महाकवि जयशंकर प्रसाद के विद्याव्यसनी स्वभाव पर प्रकाश डालिए। 3

"अथवा"

तुलसीदास अथवा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय दीजिए।

14. निम्नलिखित निबंधात्मक प्रश्नो मे से किसी एक का उत्तर दीजिए – 5

(क) शरणदाता कहानी की मूल संवेदना और उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'देशभक्त' कहानी का प्रतिपाद्य क्या है ? संक्षेप में बताइये।

15. हिन्दी कहानी साहित्य के विकास क्रम का परिचय दीजिए। 3

"अथवा"

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का परिचय लिखिए।

16. निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नो मे से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 4

(क) 'खेल' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए समीक्षा कीजिए।

(ख) 'एटम बम' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

17. निम्नलिखित प्रश्नों मे से कोई तीन का उत्तर दीजिए – 3x2 = 6

(क) पहली बार चेतना लौटने पर कोवायशी ने कैसा महसूस किया ?

(ख) रफीकुद्दीन अपनी ऑखो में पराजय लिये चुपचाप क्या देखते रहे थे ?

(ग) लोक माध्यम क्या है ? उदाहरण सहित लिखें।

(घ) वर्तमान मे जनसंचार के कितने माध्यम प्रचलित है ?

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4x2 =8

(अ) विश्व में पत्रकारिता का आरम्भ कहॉ से हुआ ?

(ब) एक अच्छे पत्र की क्या विशेषताएँ हैं ? लिखें।

(स) 'बड़े घर की बेटी' कहानी का उद्देश्य क्या है ?

(द) इन्टरनेट का उपयोग एवं स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

19. आप शुभम् शर्मा निवासी खंडेला हैं। अपने छोटे भाई को बोर्ड परीक्षा की तैयारी के बारे में पत्र लिखिए। 4

"अथवा"

स्वयं को कक्षा 12वीं का छात्र मानकर राजस्थान पत्रिका के संपादक को एक पत्र लिखिए जिसमें परीक्षा के दिनों में होने वाले शोरगुल की रोकथाम का आग्रह किया गया हो।

❑❑❑